प्रदेश की डेमेज सड़कों को विश्वस्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश में नई सड़कों के साथ डेमेज सड़कों को विश्व स्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होनें कहा की अधिकारी यह तय कर ले की अगले एक वर्ष में हम मौजूदा नोन पेचेबल और परमानेंट टूटी सड़कों को ठीक करवाकर उन्हें विश्व स्तरीय बनाएंगे। उन्होंने कहा यदि हम सब ने मिलकर इस काम को शत प्रतिशत सफल कर दिया तो यह आम जन के लिए बहुत बड़ी साहूलियत होगी। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होनें कहा कि नीचे से लेकर उपर तक के सभी अधिकारी पूरा फोकस सड़कों की गुणवत्ता पर केद्रिंत करें। इसके लिए नियमित फिल्ड विजिट कर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और यदि कही कमी पाई जाती है तो उस पर कठोर एक्शन लें। उन्होंने कहा कि जब मैं स्वयं और उच्च अधिकारी फिल्ड में जा सकते हैं तो अन्य अधिकारी फिल्ड में क्यों नही जा रहे है। उन्होनें निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित फिल्ड विजिट करेंगे और साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं, एनएचएआई, आरएसआरडीसी, आरएसएचए, सीआरआईएफ सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की गति बढ़ाने और कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि इंटर डिपार्टमेंटल मुद्दों की वजह से प्रोजेक्टस को पूरा करने में समय लग रहा है तो विभाग के सम्बंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ नियमित वार्ता करके उन प्रकरणों का निस्तारण करवायें ताकि आमजन को प्रोजेक्टस का समय पर लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप के बाद सड़कों की गुणवत्ता में हुए सुधार की सराहना करते हुए कहा की हमें इस ऐप को शत प्रतिशत रूप से प्रभावी बनाना है। गौरतलब है कि इस ऐप पर निरीक्षण करने वाले अधिकारी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाने पर उस की रियल टाईम फोटो अपलोड करते हैं और संवेदकों को सुधार के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप सुधार करके सुधारे गए काम की फोटो अपलोड करनी होती है।

- **‘कामों को गति देने और निरीक्षण के लिए फील्ड में रहने के निर्देश’**

इस दौरान जयपुर रिंग रोड, ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे, अजमेर रोड, खाटूश्यामजी मंदिर रिग रोड सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान राज्य मंत्री मंजू बाघमार, प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

11 माह में राजस्थान में दोगुनी हुई विकास की रफ्तार : राज्यवर्धन सिंह

झोटवाड़ा में 1081 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए जनता ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का आभार जताया।

जयपुर। झोटवाड़ा विधायक और कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र और प्रदेश की जनता से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदरणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पिछले 11 महीनों में झोटवाड़ा समेत पूरे प्रदेश में विकास कार्य दोगुनी रफ्तार से हुए हैं। उन्होंने झोटवाड़ा क्षेत्र में 1081 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी जिनमें सड़कों का निर्माण, जल आपूर्ति, ड्रेनेज, मेट्रो, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनता ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झोटवाड़ा में विकास कार्यों की गति ने क्षेत्र को एक नए स्तर पर पहुंचाया है।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में विकास कार्यों की यह रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, यह सब हमारे प्रेरणास्त्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का नतीजा है। वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान का विकास मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा।

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का जन-जन को मिले लाभ : कलेक्टर

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में कलक्टर ने जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किराये के भवन में संचालित हो रही आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए जल्द से जल्द सरकारी भवन मुहैया करवाने अथवा भवन हेतु भूमि आवंटन के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के साथ साथ स्कूल भवन एव छात्रावास के साथ-साथ स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु भूमि आवंटन के लिए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करवाने एवं खोले गए रास्तों पर ग्रेवल रोड बनाने की आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिये। रास्ते संबंधी जो प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है उनका अनुतोष परिवादी द्वारा संबंधित न्यायालय से ही प्राप्त किया जा सकेगा।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को समस्त अटल सेवा केन्द्रों में बिजली कनेक्शन, ई-मित्र की सुविधा एवं शौचालय सुनिश्चित करने के साथ-साथ पीएम श्री विद्यालयों के नियमित निरीक्षण के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियां दुरुस्त रखने एवं अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर राजकीय कार्यालयों के शौचालयों का निरीक्षण कर साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को पीएम सूर्य घर योजना से आमजन को लाभांवित करने एवं समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के दौरान किसानों को ग्रेडिंग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक किसानों को उनकी फसल की उपज का वाजिब दाम मिल सके।

सहकारी संस्थाओं के संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका : गौतम कुमार

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता समावेशी विकास का एक ऐसा मॉडल है, जो जाति, वर्ग, रंग या भाषा के परे जाकर समाज के सभी वर्गों और समुदायों को उनकी आवश्यकताओं और स्थानीय संसाधनों के आधार पर विकास के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता हमेशा सभी वर्गों के मध्य अवसरों में समानता को बढ़ावा देते हुए गरीबी को कम करने एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिये उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इसलिये सहकारिता के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास संभव है।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में "महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिये सहकारिता" विषय पर अपने संबोधन में दक ने कहा कि किसी भी सहकारी संस्था के प्रभावी संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्मिकों के मध्य समन्वय के साथ-साथ अपने-अपने कार्य दायित्वों के निर्धारण और उनके निर्वहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सहकारी कानून, नियम और संस्था के उपनियमों की पूरी जानकारी है तो वह अपने अनुभव और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर संस्था के संचालन में महती भूमिका निभा सकते हैं।

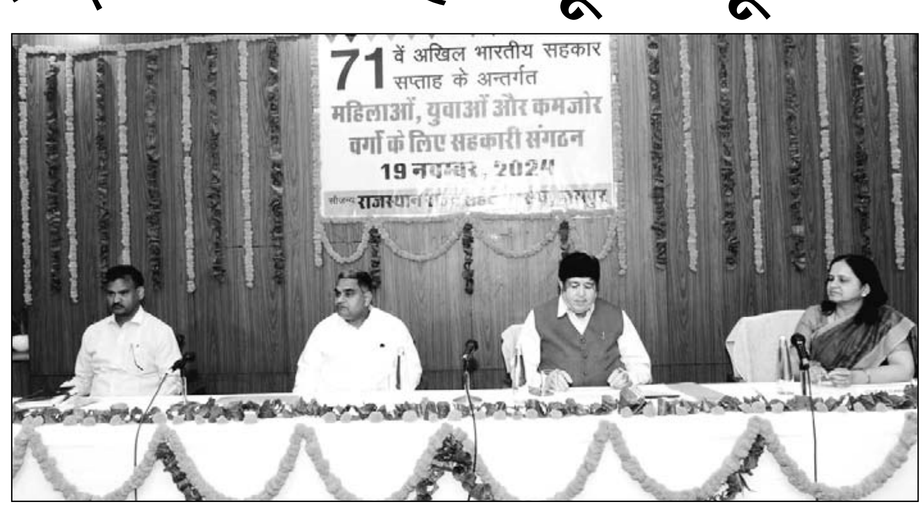

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने संबोधित किया।

सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने, उन्हें उद्यम स्थापित करने के लिये सस्ती ब्याज दरों पर सुलभ ऋण मुहैया कराने और उत्पादों के विक्रय के लिये प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिये कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराना, दीर्घकालीन कृषि ऋणों पर पहली बार 7 प्रतिशत का ब्याज अनुदान, पहली बार अकृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, नये सदस्यों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण देना, प्रत्येक पंचायत समिति में एक महिला ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन आदि जैसे कदम उठाये हैं।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि हमें महिला और युवाओं के मामले में नजरिया बदलने की आवश्यकता है कि वे कमजोर हैं। हम महिलाओं और देश के युवाओं को अवसर उपलब्ध नहीं कराते हैं, जिससे उनकी योग्यता का उपयोग नहीं हो पाता है। उन्हें मौका देंगे तो उनकी ऊर्जा का सदुपयोग होगा और वे अपने विकास के साथ-साथ समाज और देश के विकास में नये रंग भर देंगे। इसलिये उन्होंने सहकारजन का आव्हान किया कि वे सहकारी सोसायटियों के माध्यम से महिलाओं और युवाओं की योग्यता के आधार पर अवसर तलाशे और प्लेटफार्म उपलब्ध करावें।

- **‘सहकारिता के माध्यम से ही समावेशी आर्थिक विकास संभव’**

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिक सोसायटियों के लिये मॉडल उपनियमों के संहिताकरण का कार्य किया जा रहा है और उनके लिये अब 50 से अधिक क्षेत्रों की पहचान की गई है जिसमें ऐसी सोसायटियां कार्य कर सकती हैं। संघानी ने कहा कि केन्द्र सरकार की पहल पर अब किसान या आर्टिजन अपने उत्पादों का पोर्टल के माध्यम से एक्सपोर्ट कर सकता है, उसे इसके लिये किसी बिचैलिये की आवश्यकता नहीं है।

शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मंजू राजपाल ने कहा कि महिला और युवाओं की शक्ति अपार है। लेकिन संसाधनों के अभाव के कारण उनकी योग्यता का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश की महिलाओं को पर्याप्त अवसर, उद्यमशीलता के लिये प्रशिक्षण, नवीन तकनीक का ज्ञान और उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जावे तो वे विकास नये सोपान गढ़ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन और उनके गो-लाइव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से प्रदेश में ग्राम स्तर पर पारदर्शिता स्थापित होगी और त्वरित बैंकिंग एवं ई-मित्र जैसी सुविधायें मिल सकेंगी। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री द्वारा नीमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति की ड्रोन दीदी के नाम से जाने जानी वाली सुश्री सरोज राठौड और उनकी साथिन को शॉल उढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य सहकारी संघ के प्रशासक भौमाराम द्वारा प्रदेश में सहकारिता के विकास और उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा अन्त में मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से सहकारजनों सहित महिलाओं और विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

सरकार समरावता प्रकरण की विशेष जांच करवाएगी : डॉ. किरोड़ी लाल

जयपुर। टोंक जिले के देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता प्रकरण को लेकर जलदायमंत्री कन्हैया लाल चौधरी, गृह राज्य मंत्री जवाहर बेडम, डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने ग्रामीणों से वार्ता के बाद जो सहमति बनी उसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से वार्ता की। इस मामले में कहीं मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनी। सहमति के बाद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे। सरकार द्वारा विशेष जाँच कराई जाएगी, जिससे इस प्रकरण का दूध का दूध पानी का पानी हो सके।

- **समरावता प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल से जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राज्य मंत्री जवाहर बेडम सहित डॉक्टर किरोडी लाल मीणा की वार्ता**
- **‘समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे’**

समरावता व उसके आसपास के गांवों के निर्दोष लोगों को मुकदमों का शिकार नहीं होने दिया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद 19 व्यक्तियों को छोड़ दिया है। आगे भी जांच के अनुसार कार्यवाही होगी। स्थानीय लोगों के वाहनों, मकानों, चारे सहित जो भी नुकसान हुआ है, उसका सर्वे करवाकर संबंधित व्यक्ति को भरपाई की जाएगी।

इससे पहले देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना की जांच और नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर समरावता सहित आसपास के ग्रामीण आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम के आवास पहुंचा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल और सरकार के मंत्रियों की बीच करीब 2 घंटे तक वार्ता हुई।

देवली-उनियारा में हुई घटना को लेकर कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि जो कुछ उपचुनाव के दौरान हुआ, वह कांग्रेस सरकार के समय जो निर्णय लिए गए उसका आक्रोश था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना सोचे समझे जो जिले बनाए उनसे ग्रामीणों में नाराजगी है।

विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है : अरूण कुमार

जयपुर। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ महेश चंद्र शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

- **एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन**
- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की**

आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने संबोधन देते हुए कहा कि दुनिया में सब जगह शक्तियां विद्यमान है। मैं केवल देश के अंदर सीमित रहते हुए अपनी बात रखूंगा। भारत एक ऐसा वर्ष है जो 1000 वर्ष अजय रहा है। इससे पहले भी हमने 1000 वर्ष पहले संघर्ष किया। आज अपने देश की एक मजबूत अर्थव्यवस्था है। कोविड में भी हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत थी। हमारी अर्थव्यवस्था मैन्युप्लेटेड नहीं है। हम गुलामी की मानसिक से मुक्त है।भारत का हर एक युवा सोचता है कि वे किसी न किसी कंपनी का एमडी बने। विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है। इसीलिए आने वाले समय में तंत्र और समाज के साथ साथ विचार के क्षेत्र में भी काम करना पड़ेगा। आज का भारत मजबूत भारत है। देश की अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति मजबूत है। एक बडी उडान भरने क भारत का मन है। भारत की पहचान हिंदुत्व के साथ स्थापित होती जा रही है। गांव से निकला आज शिखर पर है, ये सामाजिक क्रांति है। 75 साल ये अमृत काल है और 25 साल में भारत सूर्य की जैसे चमकेगा। जो भारत को ही नहीं पूरी दुनिया को चमकायेगा। 25 साल में स्वाधीनता से स्वतंत्रता तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि

इस्लाम से संघर्ष अलग था, दो राज्यों को बाट देना। मंदिर ध्वस्त, माता बहनो के साथ अत्याचार, लड़की लड़को का व्यापार हमने पहले कभी नहीं देखा था। इस काल खंड में कई लोगो ने समझौते कर लिए। घुघाट, पर्दा, रात में शादी, ये हमारी परम्परा नहीं थी। संस्कृति नष्ट हो गये। राज्य राजा भी हो सकता है, ये विचार ही खत्म हो गया।फिर अंग्रेजी आक्रमण हुआ। वो समझ नहीं पाये की ये मुगल भारत की संस्कृति कैसे खत्म नहीं कर पाये। फिर अंग्रेजो ने अपनी शिक्षा शुरू की। जिसमें सिखाया गया की आपके पिता, दादा मूर्ख है, सही वो है जो टीचर सिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले जातियां नहीं थी, समुदाय थे। काम करने वाले। उन्होंने थ्योरी दी कि आर्य बाहर से आये। सिर्फ 150 - 200 साल ने अंग्रेजो ने हमें मूल से काट दिया। शक, हुण, कुशाण से राज्य की लड़ाई थी। लेकिन इस्लाम का संघर्ष अलग था। संस्थाएं नष्ट हो गई, विश्वविद्यालय, गुरुकुल खत्म हो गए। हजारों बेटियों को बाजार में बेचा गया। समाज के बीच भय का वातावरण बन गया रुढी और कुरुतियो का शिकार हो गए।पर्दा, घुंघट, भारत की परंपरा नहीं थी। रात का विवाह हमारा नहीं था। फिर नो नेशन नो रिलीजन ये विचार आया। मै देखता हूं कि अब बहन भाई को रखी नहीं बांधती। कहना है कि बहन खुद अपनी रक्षा कर सकती है। आपत्ति दर्ज करें, पर अच्छी बाते के लिए करें। माता पिता से कहते हैं कि आपने अपनी ज़िंदगी जी ली।

एकलव्य की कहानी पहले गुरू शिष्य की थी। कि शिष्य हो तो एकलव्य जैसा। पर अब ये जनजाति के साथ जुड़ गई। ब्रह्मण शिक्षक पर संदेह और एक जनजाति के साथ आन्यय। किसी एक पर आरोप लगाते रहे। जैसे आरएसएस त्रिरंगे का विरोधी है, राष्ट्रीय गान का विरोधी है। ब्रह्मण विरोधी, कैसे भी आरोप लगाते रहें और लगातार बोलते जाये। अब ताकत भी है भारत के विरोधी देश भी इनके साथ है। मुस्लिम विरोधी, किसान आंदोलन, अडानी अम्बानी का नाम् लेना, भ्रम पैदा करते है।

अंग्रेजी शासन आया तो अंग्रेजी शिक्षा चली कहा गया की बंगाल में सब ईसाई हो जाएंगे। पर जो पढ़े नहीं रामकिशन परमहंस के शिष्यों ने ऐसा कार्य किया की कोई नही बदला, धर्म परिवर्तन नहीं हुआ। स्वदेशी आंदोलन, गर्म नरम कुछ् नहीं था। विदेश से पढ़कर आये लोगों में विचार नही था। नेहरू ने जब इंग्लिश में बुक लिखी तो गांधी ने कहा कि मुझे खुशी होती अगर ये हिंदी में भगवान राम आधरित राज्य पर होती। तो नेहरू ने कहा था की दुनिया बदल गई है और राम राज्य में मुझे ऐसा कुछ दिखा नहीं, जिसे मै लिखता।

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ राजनेता कर रहे हैं अमर्यादित कृत्य : रामलाल शर्मा

जयपुर। भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान राजनेताओं द्वारा कार्यपालिका को लेकर दिए जा रहे बयान की निंदा की और इसे अमर्यादित बताते हुए सस्ती लोकप्रियता हासिल करने तथा समाज में अराजकता का माहौल बनाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ नेताओं के बयान और उनके कृत्यों ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने का कार्य किया, यह सहन नहीं होगा, प्रदेश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

रामलाल शर्मा ने कहा कि आजादी के समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू की गई। इसमें व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका बनाई गई लेकिन आज प्रदेश की राजनीति में कुछ राजनेता ऐसा कृत्य कर रहे है जो कानून सम्मत नहीं है, व्यवहारिक नहीं है, नीतिगत नहीं है, नैतिकता के अनुरूप नहीं है और यहां तक की मानवता के अनुरूप भी नहीं है। राजनीति में जनता के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना, जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना नितांत आवश्यक है ,लेकिन राजनीति मुद्दों के आधार पर अपनी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना उचित नहीं है। राजस्थान की राजनीति में विगत दिनों में चार घटनाएं ऐसी घटित हुई जो प्रदेश की राजनीति को शर्मसार करती है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कार्यपालिका के किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर लज्जित करना या उसके कार्य में बाधा डालना, बर्दाश्त नहीं होगा। बाडमेर के एक जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक मुद्दों में कानून हाथ में लेते हुए कार्य में बाधा डाली और उसकी रील बनाते हुए उसको सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए अधिकारियों का मनोबल डाउन करने का कृत्य किया। वहीं नागौर के एक नेता द्वारा यह कहना कि उसने एक ही मारा, मैं तो तीन-चार थप्पड़ मारता, यह बयान राजस्थान की राजनीति के अनुचित है। इस प्रकार किसी राजनेता को व्यक्तिगत हमले करने का अधिकार कोई नहीं देता। तीसरी घटना देवली उनियारा में हुई जहां एक प्रशासनिक अधिकारी पर हमला करना और उसकी रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। इनकी इस घटना ने समाज के युवाओं को भावना में बहकाकर भड़काने का काम किया और आज समाज का युवा सड़कों पर उतर कर कानून का उल्लंघन कर रहा है। नेता को युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि कानून ने नियमानुसार कार्रवाई की तो उनके साथ क्या होगा। वहीं एक राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े हुए राजनेता ने कहा कि जूते की नोंक पर कार्य करवाया जाएगा। इन नेताओं ने इस तरह के बयान जारी कर समाज में वैमनस्यता, द्वेषता पैदा करने के साथ लोगों को गुमराह करके मुद्दे से भड़काने का कार्य किया है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा मंगलवार को प्रेस से रूबरू हुए।

- **भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने वाले नेताओं के कृत्यों की निंदा की**

युवा महोत्सव 25 नवम्बर से

जयपुर। राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान युवा बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक-जिला-संभाग-राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा। ब्लॉक स्तर पर इसी माह दिनांक 25 नवम्बर से युवा महोत्सव का आयोजन प्रारम्भ होगा जो 5 दिसम्बर तक चलेगा। जिला स्तर पर 6 दिसंबर से 17 दिसंबर एवं संभाग स्तर पर 18 से 25 दिसम्बर तक युवा महोत्सव आयोजित किया जावेगा।

राजस्थान युवा बोर्ड की और से विकसित भारत, विकसित भारत, विकसित राजस्थान के तहत 'विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार' थीम पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा।